आयात निर्भरता से वैश्विक खिलाड़ी: CIE निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र योजना

प्रकाशन: 26 नवंबर 2026

समाचार-संदर्भ: 25 नवंबर 2026 (कैबिनेट ब्रीफिंग)

प्रिलिम्स: योजना के प्रमुख तथ्य, प्रोत्साहन संरचना, ARAI परीक्षण सुविधा

मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III, भारतीय अर्थव्यवस्था, निर्माण क्षेत्र, अवसंरचना

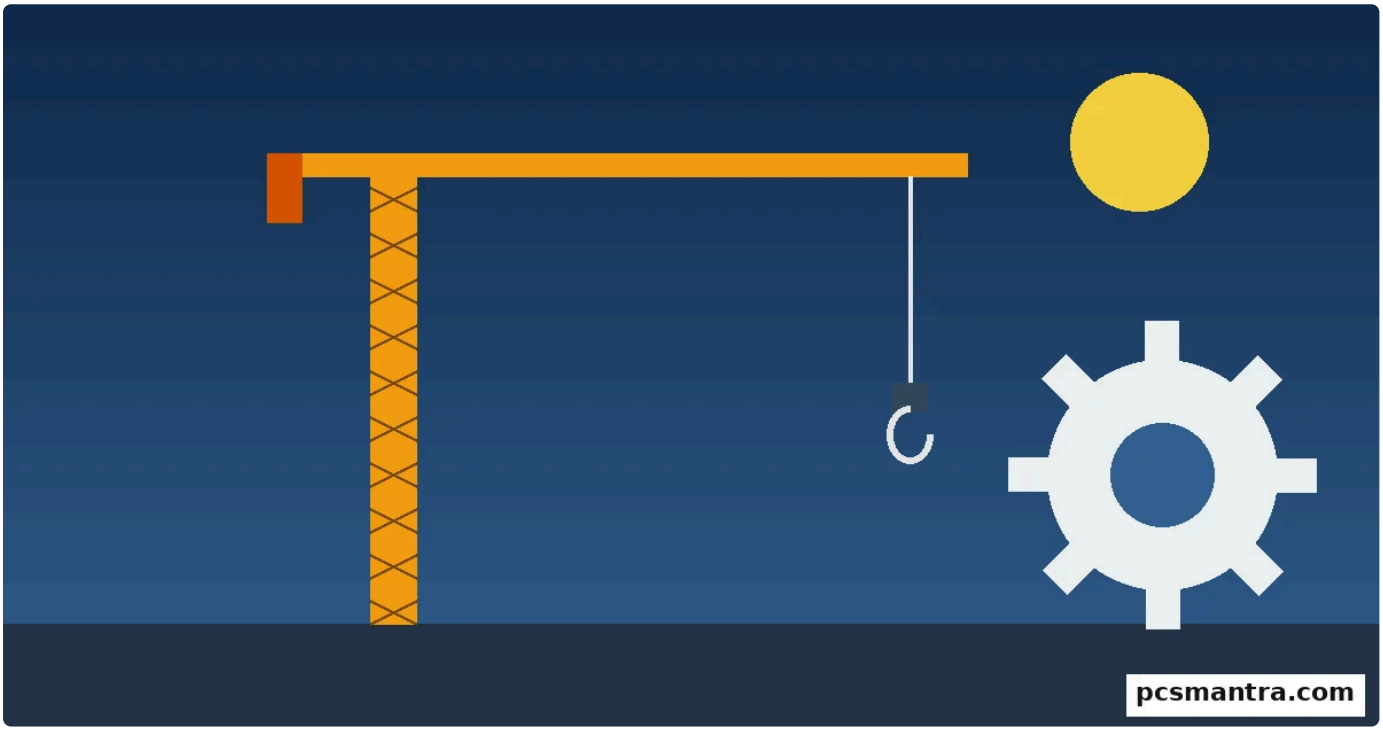

मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com।

खबरों में क्यों

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 25 नवंबर 2026 को **निर्माण और अवसंरचना उपकरण (Construction and Infrastructure Equipment, CIE) निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र** को बढ़ाने की योजना को मंज़ूरी दी। योजना की कुल लागत **11,000 करोड़ रुपये** है। यह उसी मंत्रिमंडल बैठक का हिस्सा है जिसमें डाक विभाग, बंदरगाह और हवाईअड्डा परियोजनाओं सहित कुल लगभग 19,934 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को स्वीकृति मिली।

क्या है CIE निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र योजना

मूल बात समझिए: CIE यानी निर्माण और अवसंरचना उपकरण वे बड़ी मशीनें हैं जिनसे सुरंगें, सड़कें, बाँध, खदानें और इमारतें बनती हैं, जैसे टनल बोरिंग मशीन, क्रेन और खुदाई करने वाले एक्सकेवेटर। इनके बिना बड़ी अवसंरचना परियोजनाएँ संभव नहीं हैं। यह योजना इन्हीं मशीनों और उनके पुर्ज़ों का निर्माण भारत में ही कराने के लिए बनाई गई है।

परिदृश्य: भारत का CIE उद्योग वैश्विक स्तर पर **तीसरा सबसे बड़ा** है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका बाज़ार आकार **97,500 करोड़ रुपये** था। फिर भी इस क्षेत्र की लगभग **45 प्रतिशत** ज़रूरतें आयात पर निर्भर हैं।

अवधि: योजना की अवधि **आठ वर्ष** है, यानी वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2033-34 तक।

दायरा: योजना ऐसे उपकरणों और पुर्ज़ों पर केंद्रित है जो पूरी तरह या काफ़ी हद तक आयातित होते हैं।

उपकरण की 7 श्रेणियाँ	पुर्ज़ों की 5 श्रेणियाँ
टनल बोरिंग मशीन	इंजन
ऑफ-हाईवे ट्रक	ट्रांसमिशन
एक्सकेवेटर	हाइड्रॉलिक प्रणाली
क्रेन	अंडरकैरिज
लोडर	ड्राइव सिस्टम
पाइलिंग रिग	
ड्रिलिंग मशीन	

PCSMANTRA.COM

योजना की प्रोत्साहन संरचना

पहला घटक: मूल उपकरण निर्माताओं (OEM) और पुर्ज़ा निर्माताओं के लिए **बिक्री से जुड़ा प्रोत्साहन**, जो घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर मिलेगा। यह प्रोत्साहन क्रमिक है, उपकरणों के लिए **13 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत** और पुर्ज़ों के लिए **11 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत**।

दूसरा घटक: ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) को **375 करोड़ रुपये** की अनुदान राशि, जो व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वायेबिलिटी गैप फंडिंग) के रूप में दी जाएगी। ARAI सुविधा का उद्देश्य भारत में बने उपकरणों का परीक्षण और प्रमाणन देश के भीतर ही कराना है (PIB)।

क्रियान्वयन: योजना का क्रियान्वयन और निगरानी **सचिवों की समिति** के माध्यम से होगी।

अपेक्षित परिणाम

- **निवेश:** योजना अवधि में लगभग **21,000 करोड़ रुपये** के निवेश का अनुमान है।
- **आयात प्रतिस्थापन:** लगभग **22,500 करोड़ रुपये** के आयात का स्वदेशी विकल्प तैयार होने का अनुमान है।
- **निर्यात:** पाँच वर्षों में निर्यात में लगभग **चार गुना** वृद्धि का लक्ष्य है।
- **आपूर्ति श्रृंखला:** पुर्ज़ा प्रोत्साहन से घरेलू आपूर्ति श्रृंखला गहरी होगी।

परीक्षा की दृष्टि से विश्लेषण

डिज़ाइन: योजना की रचना PLI योजनाओं जैसी है, जिसमें प्रोत्साहन बिक्री से बंधा है। अंतर यह है कि यहाँ पूँजीगत वस्तुएँ (कैपिटल गुड्स) केंद्र में हैं, जो अन्य उद्योगों की उत्पादन क्षमता की नींव बनती हैं।

रणनीतिक महत्व: सुरंग, खनन और राजमार्ग परियोजनाओं की गति इन्हीं उपकरणों पर निर्भर है। भारी आयात निर्भरता से लागत और आपूर्ति-जोखिम बढ़ सकता है (यह pcsmantra का अनुमान है, PIB ब्रीफ़िंग में नहीं कहा गया)।

चुनौतियाँ

- **प्रौद्योगिकी अंतर:** उन्नत उपकरणों की डिज़ाइन और इंजीनियरिंग क्षमता घरेलू स्तर पर विकसित करनी होगी।
- **पुर्ज़ा पारिस्थितिकी तंत्र:** इंजन और हाइड्रॉलिक जैसे पुर्ज़ों की स्वदेशी क्षमता के बिना उपकरण निर्माण अधूरा रहेगा।
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धा:** स्थापित अंतर्राष्ट्रीय निर्माताओं से मूल्य और गुणवत्ता दोनों में मुक़ाबला करना होगा।
- **क्रियान्वयन गति:** आठ वर्ष की अवधि में प्रोत्साहन का समय पर भुगतान और निगरानी आवश्यक है।

आगे की राह

योजना की सफलता तीन बातों पर टिकी है, पहली पुर्ज़ा स्तर तक घरेलू आपूर्ति श्रृंखला का विकास, दूसरी परीक्षण सुविधा का समय पर तैयार होना, और तीसरी घरेलू निर्माताओं को निर्यात योग्य गुणवत्ता तक पहुँचाना। यदि ये तीनों पूरे हुए तो यह योजना भारत को उपकरणों के आयातक से निर्यातक की ओर ले जा सकती है।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. CIE निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: इस योजना की अवधि वित्त वर्ष 2026-27 से वित्त वर्ष 2033-34 तक आठ वर्ष की है।

कथन 2: इस योजना में टनल बोरिंग मशीन और ऑफ-हाईवे ट्रक जैसे उपकरणों की सात श्रेणियाँ शामिल हैं।

कथन 3: इस योजना का प्रोत्साहन केवल मूल उपकरण निर्माताओं (OEM) तक सीमित है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

कथन 1 सही है, योजना की अवधि आठ वर्ष (वित्त वर्ष 2026-27 से 2033-34) है। कथन 2 सही है, योजना में सात उपकरण श्रेणियाँ हैं जिनमें टनल बोरिंग मशीन और ऑफ-हाईवे ट्रक शामिल हैं। कथन 3 गलत है, इंजन, ट्रांसमिशन, हाइड्रॉलिक प्रणाली, अंडरकैरिज और ड्राइव सिस्टम की पाँच पुर्ज़ा श्रेणियों के लिए भी बिक्री से जुड़ा प्रोत्साहन है।

प्रश्न 2. CIE योजना के तहत ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) को 375 करोड़ रुपये की अनुदान राशि किस उद्देश्य से दी जाएगी?

(a) उपकरण निर्यातकों को प्रत्यक्ष अनुदान देने के लिए

(b) पुर्ज़ा निर्माताओं के बैंक ऋण की गारंटी देने के लिए

(c) उपकरणों की समर्पित परीक्षण और प्रमाणन सुविधा स्थापित करने के लिए

(d) आयातित उपकरणों पर शुल्क छूट देने के लिए

▼ **उत्तर और व्याख्या**

उत्तर: (c)

ARAI को 375 करोड़ रुपये व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण के रूप में दिए जाएँगे ताकि एक समर्पित परीक्षण सुविधा बने और भारत में बने उपकरणों का परीक्षण और प्रमाणन देश में ही हो सके।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. "CIE निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र योजना भारत के पूँजीगत वस्तु क्षेत्र की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक संरचनात्मक क़दम है।" इस कथन की योजना की प्रोत्साहन संरचना और संभावित चुनौतियों के संदर्भ में समीक्षा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: योजना, तिथि और लागत का संक्षिप्त उल्लेख; CIE क्षेत्र का आकार और आयात निर्भरता की पृष्ठभूमि।

मुख्य भाग में: बिक्री से जुड़ा क्रमिक प्रोत्साहन; उपकरण और पुर्ज़ा श्रेणियाँ; ARAI परीक्षण सुविधा; निवेश, आयात प्रतिस्थापन और निर्यात के अपेक्षित परिणाम; प्रौद्योगिकी अंतर, पुर्ज़ा पारिस्थितिकी तंत्र और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चुनौतियाँ।

निष्कर्ष में: कथन का संतुलित मूल्यांकन; क्रियान्वयन, परीक्षण क्षमता और निर्यात गुणवत्ता पर निर्भरता स्पष्ट करते हुए आगे की दिशा।

स्रोत

- [1] https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2026/nov/doc_10580_20261125_16131201.pdf

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

▼ CIE योजना का पूरा नाम और लागत क्या है?

यह निर्माण और अवसंरचना उपकरण (CIE) निर्माण पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने की योजना है और इसकी कुल लागत 11,000 करोड़ रुपये है।

▼ योजना का प्रोत्साहन किस आधार पर मिलेगा?

प्रोत्साहन बिक्री से जुड़ा है और क्रमिक है, उपकरणों के लिए 13 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत और पुर्ज़ों के लिए 11 प्रतिशत से घटकर 8 प्रतिशत तक।

▼ योजना से निर्यात पर क्या असर अपेक्षित है?

पाँच वर्षों में निर्यात में लगभग चार गुना वृद्धि का लक्ष्य रखा गया है।

▼ योजना की निगरानी कौन करेगा?

योजना का क्रियान्वयन और निगरानी सचिवों की समिति के माध्यम से होगी।

PCSMANTRA.COM